Shri Venkatesha Stotram

श्रीवेङ्कटेशस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Venkatesha Stotram 2

File name : venkateshvara.itx

Category : vishhnu, venkateshwara, stotra, vishnu

Location : doc_vishhnu

Author : Traditional

Proofread by : Dr. Varagur S.V. Rajan, P.Eng.

Latest update : February 18, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 18, 2025

sanskritdocuments.org

श्रीवेङ्कटेशस्तोत्रम्

कमलाकुचचूचुक कुङ्कमतो नियतारुणितातुलनीलतनो ।
कमलायतलोचन लोकपते विजयी भव वेङ्कटशैलपते ॥ १॥

सचतुर्मुखषण्मुखपंचमुखप्रमुखाखिलदैवतमौलिमणे ।
शरणागतवत्सल सारनिधे परिपालय मां वृषशैलपते ॥ २॥

अतिवेलतया तव दुर्विषहै रनुवेलकृतैरपराधशतै।
भरितं त्वरितं वृषशैलपते परया कृपया परिपाहि हरे ॥ ३॥

अधिवेङ्कटशैलमुदारमतेजनताभिमताधिकदानरतात् ।
परदेवतया गदितान्निगमैः कमलादयितान्न परं कलये ॥ ४॥

कलवेणुरवावशगोपवधू शतकोटिवृतात्स्मरकोटिसमात् ।
प्रतिवल्लविकाभिमतात्सुखदात् वसुदेवसुतान्न परं कलये ॥ ५॥

अभिरामगुणाकर दाशरथे जगदेकधनुर्धर धीरमते ।
रघुनायक राम रमेश विभो वरदो भव देव दयाजलधे ॥ ६॥

अवनीतनयाकमनीयकरं रजनीकरचारुमुखाम्बुरुहम् ।
रजनीचरराजतमोमिहिरं महनीयमहं रघुराममये ॥ ७॥

सुमुखं सुहृदं सुलभं सुखदं स्वनुजं च सुकायममोघशरम् ।
अपहाय रघूद्वहमन्यमहं न कथञ्चन कञ्चन जातु भजे ॥ ८॥

विना वेङ्कटेशं न नाथो न नाथः सदा वेङ्कटेशं स्मरामि स्मरामि ।
हरे वेङ्कटेश !प्रसीद प्रसीद प्रियं वेङ्कटेश प्रयच्छ प्रयच्छ ॥ ९॥

अहं दूरतस्ते पदाम्भोजयुग्मप्रणामेच्छयाऽऽगत्य सेवां करोमि ।
सकृत्सेवया नित्यसेवाफलं त्वं प्रयच्छ प्रयच्छ प्रभो वेङ्कटेश ॥ १०॥

अज्ञानिना मया दोषानशेषान् विहितान् हरे ।
क्षमस्व त्वं क्षमस्व त्वं शेषशैलशिखामणे ॥ ११॥

॥ इति श्री वेङ्कटेश स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Dr. Varagur S.V. Rajan sankrityaraja@shaw.ca

Shri Venkatesha Stotram
pdf was typeset on February 18, 2025

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*